

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

दाहिने और किनारे में रिफ्रे हुए अंक पूर्णरूप में लिख कर दें।

परीक्षार्थ प्रवासंभव अपने डाटा में ही उत्तर दें।

- ① निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दें: 10X4=40
- क) 'राजचन्द्रिका' के आधार पर कैलाचन्द के काल-सौन्दर्य पर प्रकाश दें।
- ख) चित्तरीलाल के दोहे 'जाण सं साजर भरने दें' प्रमाणित करें।
- ग) चित्तरीलाल की भाव-भावना पर प्रकाश दें।
- घ) भूषण के काव्यों में वादवीच-चिन्ता पर विचार करें।
- ङ) सोलजस के काव्यों में आभारक शृंगारिष्ठ भाव को स्पष्ट करें।
- च) 'पूज के पीर' कवि के रूप में धनानंद का मूल्यकन कीजिए।
- ② निम्नलिखित अवलोकों में से किसी दो की स्पष्टता लाया कीजिए:
  - क) शैल भरन को चाल धुजा, धूरि सं सुख दीसि,  
जुह-जुरन को मनहुँ पनि जेधन बीने लीसि।  
10X2=20
  - ख) एक रसाल धौरभ यो, मधुर साधवी रैध।  
धौर और सुभान भवन, और और मधु अँधर।

HINDI

Paper-1604

Full Marks-70

Time: 3 hours

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

दाहिने और किनारे में दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करने हैं।

परीक्षार्थी प्रयासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

① निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दें: 10x4=40

(क) 'रामचन्द्रिका' के आधार पर केशवदास के काल-सौंदर्य पर प्रकाश डालें।

(ख) बिहारीलाल के दोहे 'जागर में सागर भरते हैं' प्रमाणित करें।

(ग) बिहारीलाल की मक्ति-भावना पर प्रकाश डालें।

(घ) भूषण के कालों में राष्ट्रीय-चेतना पर विचार करें।

(ङ) मन्निराम के कालों में आभिव्यक्त भृंगारिक्त भाव को स्पष्ट करें।

(च) 'प्रेम के पीरे' कवि के रूप में धनानंद का मूल्यांकन कीजिए।

② निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) देखि भरत को चल धुजा, धूरि में सुख देति;  
जुद्ध-जुरन को मनहुँ प्रति जोधन बोलै लेति। ~~10~~ 10x2=20

(ख) दृकि रसाल घोरम सने, मधुर माधनी जंध।

ठौर ठौर मूमन मपन, भौर भौर मधु अंध॥